हरिभूमि
कांकेर भूमि
रायपुर, शुक्रवार 20 मार्च 2026

तापमान

अधिकतम 32.0 डिग्री

न्यूनतम 20.0 डिग्री

13 जहां कभी गूंजती थी गोलियों की आवाज..

13 नशे की हालत में ट्रक और हाईवा चलाते मिले..

[भानुप्रतापपुर | चारामा | अंतागढ़ | पखांजूर | दुर्गूकोंदल | नरहरपुर | लखनपुरी | कोयलीबेड़ा]

नवरात्रि विशेष

द्वितीयः ब्रह्मचारिणी

देवी भगवती का दूसरा स्वरुप ब्रह्मचारिणी मां का है। दूसरे नवरात्रि को ब्रह्मचारिणी मां की पूजा होती है। ब्रह्मांड को जन्म देने के कारण ही देवी का दूसरा स्वरुप ब्रह्मचारिणी कहलाया। देवी की यहीं आद्या शक्ति है। यहां ब्रह्म शब्द का रुप तपस्या है। ब्रह्मचारिणी अर्थात तप की चारिणी। कथा है कि सृष्टि उत्पत्ति के समय ब्रह्माजी ने मानष पुत्रों को जन्म दिया पर वे कालातीत होते रहे। सृष्टि का विकास नहीं हो सका। अचंभित ब्रह्माजी ने सदाशिव से पूछा कि ऐसा क्यों। शिवजी ने कहा कि देवी शक्ति के बिना यह असंभव है। सब देवता देवी की शरण में गए। इस पर ब्रह्मचारिणी ने सृष्टि का विस्तार किया है। इसी के बाद नारी शक्ति को मां का स्थान मिला है। मां के इस रुप की आराधना का मंत्र है-
दधाना
करपद्माभ्यामक्षमालाकमंडलू।
देवि प्रसीदतु मयि
ब्रह्मचारिण्यनुत्तमा।।

ज्योति कलशों की स्थापना के साथ चैत्र नवरात्रि का शुभारंभ, नौ दिनों तक माता की भक्ति

हरिभूमि न्यूज ⏭ कांकेर

चैत्र नवरात्र के शुभारंभ के साथ ही क्षेत्रभर में भक्ति और आस्था का अद्भुत संगम देखने को मिला। पहले दिन सुबह से ही मंदिरों में श्रद्धालुओं की लंबी कतारें लग गईं, जहां विधि-विधान के साथ माता रानी की ज्योत प्रज्वलित कर नौ दिनों की आराधना की शुरुआत की गई। घंटियों की मधुर ध्वनि, शंखनाद और मंत्रोच्चार से पूरा वातावरण भक्तिमय हो उठा, जिससे हर श्रद्धालु का मन श्रद्धा से सराबोर नजर आया।

नवरात्र के पहले दिन ही प्रातःकाल से ही मंदिरों में माता दुर्गा के विभिन्न स्वरूपों की पूजा-अर्चना की गई। पुजारियों द्वारा विधिपूर्वक कलश स्थापना और ज्योत प्रज्वलन किया गया, जिसके साथ ही नवरात्र का पावन पर्व विधिवत प्रारंभ हुआ। श्रद्धालुओं ने माता रानी से सुख-समृद्धि और शांति की कामना की। महिलाएं और युवा पारंपरिक वेशभूषा में सज-धजकर मंदिर पहुंचे, वहीं बच्चों में भी खासा उत्साह देखने को मिला। कई स्थानों पर भजन-कीर्तन और जगराता का आयोजन किया गया, जहां भक्त माता के भजनों में लीन होकर झूमते नजर आए। जय माता दी के जयकारों से वातावरण गूंज उठा। मंदिरों में सुरक्षा और व्यवस्था को ध्यान में रखते हुए प्रशासन द्वारा भी उचित इंतजाम किए गए थे। श्रद्धालुओं को किसी प्रकार की असुविधा न हो, इसके लिए स्वयंसेवकों की तैनाती की गई थी। साथ ही साफ-सफाई और ⏭शेष पेज 12 पर

मंदिरों में उमड़ा आस्था और उत्साह का सैलाब

माता की पूजा अर्चना की

नवरात्रि के पहले दिन व्रत रखने वाले श्रद्धालुओं ने नियमपूर्वक उपवास रखकर माता की पूजा की और दिनभर धार्मिक गतिविधियों में भाग लिया। बाजारों में भी रौनक देखने को मिली, जहां पूजन सामग्री, फल-फूल और सजावटी वस्तुओं की खरीदारी के लिए लोगों की भीड़ उमड़ी रही।

आपरेशन : एक टीम के सरेंडर होने की संभावना पर दूसरे तैयार नहीं, पर अधिकारिक पुष्टि नहीं

सरेंडर पर नक्सलियों में फूट एक गुट तैयार, दूसरे का इंकार

हरिभूमि न्यूज ⏭ कांकेर

जिले के नक्सल प्रभावित परतापुर क्षेत्र से एक बार फिर बड़ी हलचल की खबर सामने आ रही है। नक्सल इलाके में ग्रामीणों के मध्य चर्चा है कि परतापुर एरिया कमेटी और कंपनी नंबर 05 में सक्रिय करीब 18 नक्सलियों के बीच गंभीर मतभेद उभरकर सामने आए हैं। हालांकि इस संबंध में अभी तक किसी भी स्तर पर आधिकारिक पुष्टि नहीं की गई है, लेकिन स्थानीय स्तर पर चल रही चर्चाओं ने संगठन के भीतर फूट की संभावनाओं को बल दिया है। सूत्रों की मानें तो नक्सली संगठन के भीतर विचारधारात्मक टकराव की स्थिति बन गई है। एक ओर संगठन

- परतापुर एरिया कमेटी और कंपनी नं. 5 का मतभेद उजागर

का एक धड़ा मुख्यधारा में लौटने और आत्मसमर्पण करने के पक्ष में नजर आ रहा है, वहीं दूसरा धड़ा अब भी जंगल में रहकर गतिविधियां जारी रखने के समर्थन में है। इस आंतरिक असहमति ने संगठन की एकजुटता को कमजोर कर दिया है और नक्सलियों के बीच अविश्वास का माहौल पैदा हो गया है। स्थानीय स्तर पर यह भी चर्चा है कि आरकेबी प्रमुख विजय रेड्डी की पत्नी रूपी और नक्सली मंगलू पद्दा शुरू से ही आत्मसमर्पण के विरोध में रहे हैं। उनके इस रुख के चलते संगठन के अन्य सदस्यों के साथ उनके मतभेद अंदरूनी रूप से लगातार गहराते गए हैं। बताया जा रहा है कि इसी कारण संगठन दो गुटों में बंटता नजर आ रहा है। यदि यह स्थिति बनी रहती है, तो किसी भी समय एक गुट आत्मसमर्पण के लिए जंगल को छोड़ सकते है।

समर्थक गुट समर्पण की तैयारी में

विश्वसनीय सूत्रों का कहना है कि आत्मसमर्पण समर्थक गुट आत्मसमर्पण करने की तैयारी में है। यदि ऐसा होता है, तो यह सुरक्षा बलों के लिए बड़ी सफलता मानी जाएगी। इससे न केवल संगठन की ताकत कमजोर होगी, बल्कि नक्सली नेटवर्क को अंदर से भी बड़ा झटका लग सकता है। बीएसफ, डीआरजी एवं जिला पुलिस बल इस पूरे घटनाक्रम पर लगातार नजर बनाए हुए हैं।

आपरेशन के बाद बदले ठिकाने

जिले के गोटांज और आसपास के नक्सल प्रभावित क्षेत्रों में हाल ही में चलाए गए पुलिस ऑपरेशन के बाद नक्सलियों ने अपने ठिकाने बदल लिए हैं। बताया जा रहा है कि सुरक्षा बलों के बढ़ते दबाव के कारण नक्सली लगातार अपने ठिकानों को बदल रहे हैं, जिससे उनकी गतिविधियों पर नजर रखना चुनौतीपूर्ण हो गया है। हालांकि सुरक्षा एजेंसियां लगातार क्षेत्र में सर्च ऑपरेशन चला रही हैं और हर गतिविधि पर पैनी नजर रखी जा रही है।

ग्रामीणों में असंतोष की बढ़ रही भावना

क्षेत्र के कई सरपंचों का कहना है कि वे ग्रामीणों और नक्सलियों के बीच संवाद स्थापित कर उन्हें आत्मसमर्पण के लिए प्रेरित करते हैं, लेकिन जब वास्तविक आत्मसमर्पण होता है तो उसका श्रेय अन्य लोगों को मिल जाता है। इस कारण ग्रामीणों में असंतोष की भावना पनप रही है। ग्रामीणों का कहना है कि उनकी भूमिका को नजरअंदाज किया जा रहा है, जबकि वे जमीनी स्तर पर शांति स्थापित करने में अहम योगदान दे रहे हैं। ऐसे में सरकार को चाहिए कि ग्रामीणों के सहयोग को उचित मान्यता दे, ताकि भविष्य में भी वे इस दिशा में सक्रिय भूमिका निभा सकें।

पीएम आवास विवाद पर देवर ने भाभी पर लाठी से किया हमला

हरिभूमि न्यूज ⏭ कांकेर

नरहरपुर थाना क्षेत्र के अंबेडकर वार्ड क्रमांक 11 में पारिवारिक विवाद ने उस समय उग्र रूप ले लिया, जब प्रधानमंत्री आवास निर्माण को लेकर देवर और भाभी के बीच कहासुनी मारपीट में बदल गई। घायल महिला ने आरोपी देवर पर गंभीर आरोप लगाते हुए पुलिस में शिकायत दर्ज कराई है।

पीड़िता के अनुसार उसके नाम पर शासन की महत्वाकांक्षी योजना प्रधानमंत्री आवास के तहत मकान स्वीकृत हुआ था। पुराने घर को तोड़कर नए मकान का निर्माण कार्य शुरू किया गया, लेकिन पति के निधन के बाद आर्थिक और पारिवारिक परिस्थितियों के चलते निर्माण अधूरा रह गया था। इसी बीच महिला के देवर संजय बेसरा ने बिना किसी अनुमति के निर्माण कार्य को आगे बढ़ाना शुरू कर दिया, जब महिला को इसकी जानकारी हुई तो उसने मौके पर पहुंचकर काम रुकवाने का प्रयास किया और विरोध जताया।

इसी बात को लेकर दोनों के बीच विवाद बढ़ गया। महिला का आरोप है कि विरोध करने पर आरोपी ने उसे अपमानित करते हुए कहा कि तुम कौन होती हो काम बंद कराने वाली और देखते ही देखते आक्रामक हो गया। आरोप है कि इसके बाद संजय बेसरा ने गाली-गलौज करते हुए लाठी-डंडे से महिला पर हमला कर दिया, जिससे उसके सिर पर गंभीर चोट आई। घटना के दौरान आसपास के कई लोग मौके पर मौजूद थे, जिन्होंने पूरे घटनाक्रम को देखा और सुना। हमले के बाद आरोपी ने महिला को जान से मारने की धमकी भी दी, जिससे वह भयभीत हो गई।

पीड़िता की शिकायत पर नरहरपुर पुलिस ने आरोपी संजय बेसरा के खिलाफ भारतीय न्याय संहिता की धारा 115 (2), 296 और 351 (3) के तहत मामला दर्ज कर जांच शुरू कर दी है। पुलिस का कहना है कि मामले की गंभीरता को देखते हुए सभी पहलुओं की जांच की जा रही है और दोषी के खिलाफ सख्त कार्रवाई की जाएगी।

खबर संक्षेप

अग्निवीर भर्ती के संबंध में मार्गदर्शन दिया

चारामा। शासकीय औद्योगिक प्रशिक्षण संस्थान चारामा में प्रशिक्षणार्थियों को सेना में भर्ती के लिए प्रोत्साहित करने एवं अग्निवीर भर्ती संबंधित विस्तृत जानकारी प्रदान करने के लिए कैरियर मार्गदर्शन दिया गया। कार्यशाला के दौरान हेमलाल कैमरो द्वारा अग्निवीर भर्ती प्रक्रिया, पात्रता, शारीरिक दक्षता मानदंड, लिखित परीक्षा की तैयारी की जानकारी दी गया, संस्था से कार्यक्रम प्रभारी के रूप में विनोद कुमार ध्रुव के द्वारा ऑनलाइन आवेदन प्रक्रिया एवं ऑफिसियल वेबसाइट के बारे में विस्तार से जानकारी दी गई।

तारमिस्त्री भर्ती परीक्षा के लिए आवेदन आमंत्रित

कांकेर। छत्तीसगढ़ शासन ऊर्जा विभाग के अंतर्गत कार्यालय कार्यपालन अभियंता विद्युत सुरक्षा एवं संभागीय विद्युत निरीक्षक संभाग-जगदलपुर के कार्य क्षेत्र के अंतर्गत आने वाले बस्तर, कोण्डागांव, कांकेर, बीजापुर, दंतेवाड़ा, नारायणपुर, धमतरी, महासमुंद एवं सुकमा जिले के समस्त इच्छुक आवेदनकर्ता तारमिस्त्री परीक्षा का आयोजन जुलाई 2026 में किया जाएगा। उक्त परीक्षा के लिए इच्छुक अभ्यर्थियों से आवेदन पत्र 01 अप्रैल से 30 अप्रैल तक आमंत्रित किया गया है।

सल्फी पेड़ से गिरा बुजुर्ग की हुई मौत

कांकेर। नरहरपुर थानांतर्गत कोहकाटोला निवासी 63 वर्षीय श्रवण कोड़ोपी पिता जग्गूराम कोड़ोपी का फिसल कर गिरने से मौत हो गया।
मृतक के परिजन ने पुलिस को बताया कि 17 मार्च को शाम 4 बजें मृतक अपने घर बाड़ी में लगे सल्फी झाड़ में सल्फी उतारने के लिए चढ़ा था। अचानक पैर फिसल जाने से जमीन पर गिर गया। गंभीर चोट आने की वजह से उसका मौता हो गया। पुलिस द्वारा मर्ग कायम कर विवेचना में लिया गया।

जर्जर आंबा के जीर्णोद्धार से नौनिहालों को मिली सुरक्षा

हरिभूमि न्यूज ⏭ दुर्गूकोंदल

क्षेत्र में सामाजिक जिम्मेदारी निभाते हुए गोयल ग्रुप ने एक सराहनीय पहल की है। दुर्गूकोंदल तहसील अंतर्गत ग्राम चाहचाड़ के पटेलपारा स्थित जर्जर आंगनबाड़ी केंद्र का श्री बजरंग आयरन ओर माइंस प्रबंधन द्वारा जीर्णोद्धार कराया गया। इस कार्य से न केवल आंगनबाड़ी की स्थिति में सुधार हुआ है, बल्कि वहां अध्ययनरत बच्चों को अब सुरक्षित और बेहतर वातावरण भी उपलब्ध हो गया है।

पहले यह आंगनबाड़ी केंद्र काफी जर्जर स्थिति में था, जिससे बच्चों और कार्यकर्ताओं को कई समस्याओं का सामना करना पड़ता था। भवन की मरम्मत और सुधार के बाद अब यह केंद्र साफ-सुथरा, सुरक्षित और व्यवस्थित

नजर आ रहा है। नए स्वरूप में आंगनबाड़ी मिलने से बच्चों के चेहरों पर खुशी साफ झलक रही है। गोयल ग्रुप के सीनियर मैनेजर रवि तिवारी ने बताया कि ग्राम पटेल जगदीश दुग्गा की मांग पर इस कार्य को प्राथमिकता देते हुए पूरा किया गया। संस्था का उद्देश्य केवल औद्योगिक विकास तक सीमित नहीं है, बल्कि सामाजिक विकास में भी योगदान देना है। बच्चों के उज्ज्वल भविष्य को ध्यान में रखते हुए यह कदम उठाया गया है, ताकि वे सुरक्षित वातावरण में शिक्षा प्राप्त कर सकें।

विधिक साक्षरता शिविर आयोजित

कांकेर। जिला विधिक सेवा प्राधिकरण के तत्वाधान में शासकीय कन्या हाई स्कूल, मांझापारा प्रैक्टिसिंग कांकेर में विधिक साक्षरता शिविर का आयोजन किया गया। मुख्य अतिथि जज राजेश्वरी सिन्हा ने विद्यार्थियों को संबोधित करते हुए कानून की जानकारी को जीवन में अत्यंत महत्वपूर्ण बताया और सभी को अपने अधिकारों के प्रति जागरूक रहने की प्रेरण दी। इस अवसर पर सुनंदा नेता एडवोकेट ने भी अपने उद्बोधन में विभिन्न विधिक प्रावधानों एवं योजनाओं की जानकारी प्रदान की।

बोलेरो की ठोकर से बाइक सवार महिला की मौत और दो घायल

हरिभूमि न्यूज ⏭ कांकेर

जुनवानी चौक के आगे चनार मोड़ के पास एक दर्दनाक सड़क हादसे ने पूरे क्षेत्र को झकझोर कर रख दिया। तेज रफ्तार और लापरवाही से चल रही बोलेरो वाहन ने बाइक को जोरदार टक्कर मार दी, जिससे एक महिला की मौके पर ही मौत हो गई, जबकि दो अन्य गंभीर रूप से घायल हो गए। हादसे के बाद इलाके में अफरा-तफरी मच गई और राहगीरों की मदद से घायलों को तत्काल जिला अस्पताल पहुंचाया गया।

- चनार मोड़ के पास हुआ हादसा, परिवार में छाया मातम

प्राप्त जानकारी के अनुसार नरहरपुर थाना क्षेत्र के ग्राम बनसागर निवासी शिकायतकर्ता ने थाना कांकेर में रिपोर्ट दर्ज कराई है कि 18 मार्च की शाम करीब साढ़े 6 बजे वह अपने चचेरे भाई विकास शोरी, भतीजी प्रीति शोरी और भाभी शिवकुमारी शोरी के साथ मोटरसाइकिल क्रमांक सीजी 19 बीसी 2708 से कांकेर स्थित अपनी बहन सावित्री पोटाई के घर जा रहे थे। बाइक को विकास शोरी चला रहा था। करीब 7 बजे जैसे ही वे जुनवानी चौक पार कर चनार मोड़ के पास पहुंचे, तभी कांकेर की ओर से आ रही बोलेरो वाहन क्रमांक सीजी 19 बीएफ 2816 के चालक चंद्र कुमार पटेल ने तेज गति और लापरवाही से वाहन चलाते हुए बाइक को टक्कर मार दी। टक्कर इतनी जोरदार थी कि बाइक सवार तीनों लोग सड़क पर गिर पड़े और गंभीर रूप से घायल हो गए। घायलों को तत्काल जिला अस्पताल ले जाया गया, जहां डॉक्टरों ने शिवकुमारी ⏭शेष पेज 12 पर

वनमंडल की कार्यशाला में विशेषज्ञों ने घटती हरियाली पर चिंता जताई

जलवायु परिवर्तन के परिणाम होंगे भयावह वन और हरियाली का संरक्षण ही है उपाय

हरिभूमि न्यूज ⏭ कांकेर

बदलते मौसम और बढ़ते तापमान के बीच जलवायु परिवर्तन आज वैश्विक चिंता का विषय बन चुका है। इसी गंभीर मुद्दे पर जागरूकता बढ़ाने के उद्देश्य से वन एवं जलवायु परिवर्तन विभाग, वनमंडल कांकेर द्वारा वृत्त स्तरीय कार्यशाला का आयोजन किया गया। कार्यशाला में विशेषज्ञों और अधिकारियों ने एक स्वर में कहा कि यदि समय रहते प्रभावी कदम नहीं उठाए गए, तो आने वाले वर्षों में इसके दुष्परिणाम और भी भयावह हो सकते हैं।

मुख्य अतिथि की आसंदी से मुख्य वन संरक्षक दुर्ग वृत्त राजेश चंदेले ने बस्तर क्षेत्र में घटते वन क्षेत्र पर चिंता व्यक्त करते हुए कहा

कि कभी सघन वनाच्छादित रहने वाला यह क्षेत्र अब हरियाली खोता जा रहा है। उन्होंने कहा कि जलवायु की स्थिरता के लिए वनों का संरक्षण अत्यंत आवश्यक है और इसके लिए समाज के हर वर्ग को आगे आना होगा, विशेषकर युवाओं को जागरूक होना पड़ेगा। अध्यक्षता की आसंदी से कलेक्टर निलेशकुमार महादेव क्षीरसागर ने

कहा कि ग्लोबल वार्मिंग केवल किसी एक देश या विभाग की समस्या नहीं, बल्कि पूरी मानवता के सामने खड़ी चुनौती है। उन्होंने चेतावनी दी कि आने वाले दो से तीन दशकों में तापमान में डेढ़ से दो डिग्री तक वृद्धि पूरे विश्व के लिए गंभीर संकट पैदा कर सकती है। उन्होंने कहा कि पर्यावरण संरक्षण ⏭शेष पेज 12 पर

विषय विशेषज्ञों ने रखे विचार

कार्यशाला में विभिन्न विषय विशेषज्ञों कृषि वैज्ञानिक कोमल केराम, डॉ. शैलेन्द्र सिंह, डॉ. संदीप कौशिक, शरतचंद्र, सिद्धार्थ, प्रणिता और अनुभा उपाध्याय ने जलवायु परिवर्तन के विभिन्न पहलुओं जैसे वैकल्पिक ऊर्जा स्रोत, पर्यावरण जागरूकता, आपूर्ति श्रृंखला, शिक्षा नीति और प्लास्टिक प्रदूषण पर विस्तार से चर्चा किया। इस अवसर पर वनमंडलाधिकारी रौनक गोयल, ऋषभ जैन, हेमचंद्र पहाड़े पहरे के अलावा जिलाधिकारी एवं कांकेर वनवृत्त के अधिकारी एवं कर्मचारी भी उपस्थित रहे।

युवकों को नशे से दूर रखने की पहल जारी

हरिभूमि न्यूज ⏭ कांकेर

जिले में नशामुक्त, मांसाहार मुक्त और चरित्रवान समाज के निर्माण की दिशा में एक महत्वपूर्ण पहल करते हुए भगवती मानव कल्याण संगठन एवं भारतीय शक्ति चेतना पार्टी के संयुक्त तत्वाधान में जिला कलेक्टर कांकेर को ज्ञापन सौंपा गया।

इस दौरान संगठन के पदाधिकारियों ने समाज में बढ़ती नशे की प्रवृत्ति पर चिंता व्यक्त करते हुए इसके रोकथाम के लिए ठोस कदम उठाने की मांग की। संगठन के पदाधिकारी ने बताया कि नशा आज समाज के सामने एक गंभीर चुनौती बन चुका है, जो न केवल व्यक्ति के स्वास्थ्य को प्रभावित करता है बल्कि उसके पारिवारिक और आर्थिक जीवन को भी बुरी तरह प्रभावित करता है।

खबर संक्षेप

साढ़े 4 साल के मोइन ने रखा एक रोजा

केशकाल। रमज़ान के मुबारक महीना जहां बड़े बुजुर्ग रोजा

रखकर नमाज सदका जकात अदा रहे हैं, वहीं नन्हे मुन्ने बच्चे भी पीछे नहीं वह भी इस मुबारक महीने में रोजा रख रहे हैं। मस्जिद रोड निवासी मोहम्मद हुसैन विरानी के पोते मोहम्मद जावेद विरानी के बेटे मोहम्मद मोइन विरानी ने इस रमज़ान महीने का एक रोजा 4 साल 4 महीने की उम्र में रखा। समाज के लोगों ने मोहम्मद मोइन विरानी को मुबारकबाद पेश की और अपनी दुआओं से नवाजा।

गरीब का घर तोड़ने से ग्रामीणों में आक्रोश

जगदलपुर। तोकापाल तहसील के ग्राम कुरेंगा निवासी बुटलू बघेल के घर में प्रशासन द्वारा तोड़फोड़ की कार्रवाई के बाद से क्षेत्र में आक्रोश है। घटना के विरोध में बड़ी संख्या में ग्रामीण एकजुट होकर तहसील कार्यालय पहुंचे और प्रशासन के खिलाफ नाराजगी जताई। ग्रामीणों का आरोप है कि गांव में कई अन्य लोगों द्वारा भी शासकीय भूमि पर कब्जा किया गया है, लेकिन कार्रवाई केवल एक ही व्यक्ति के खिलाफ की गई जो स्पष्ट रूप से पक्षपातपूर्ण रवैया है। उन्होंने मांग की है कि यदि अतिक्रमण हटाना है तो सभी पर समान रूप से कार्रवाई की जाए। इस दौरान ग्रामीणों ने तहसीलदार को ज्ञापन सौंपकर पूरे मामले की निष्पक्ष जांच कराने और अन्य कब्जाधारियों पर भी समान कार्रवाई करने की मांग की। उन्होंने चेतावनी दी कि यदि जल्द न्यायपूर्ण कार्रवाई नहीं हुई तो आंदोलन तेज किया जाएगा। ग्रामीणों का कहना है कि गरीब व्यक्ति को निशाना बनाकर राजनीति द्वेषपूर्ण की गई इस कार्रवाई से प्रशासन की कार्यप्रणाली पर सवाल खड़े हो रहे हैं इससे आम जनता का भरोसा कमजोर हो रहा है। कांग्रेसी संतोष कश्यप, मोहनीश नाग, सुनील कश्यप, गोविन्द कश्यप, पितर नाग एवं ग्राम पंचायत कुरेंगा के पूर्व सरपंच सुकमन कश्यप एवं अनेक ग्रामीण उपस्थित रहे।

छह साल की नफीसा ने रोजा रखकर समाज को दी प्रेरणा

भानुप्रतापपुर। रमजान के पवित्र महीने में जहां बड़े लोग पूरे उत्साह से रोजा रख रहे हैं, वहीं छोटे बच्चे भी उनसे प्रेरित होकर इस इबादत में शामिल हो रहे हैं। भानुप्रतापपुर के 6 वर्षीय बच्ची नफीसा अहमद पिता

इरशाद अहमद ने अपना पहला रोजा रखकर सभी को प्रेरित किया है। नफीसा अपने माता-पिता के साथ-साथ दादा हाजी निसार अहमद के साथ सुबह सहरी करती है और शाम को इफ्तार कर रोजा पूरा करती है। इतनी कम उम्र में उसका यह जज्बा लोगों के लिए मिसाल बन गया है। वह नमाज पढ़ने के साथ-साथ कुरान का अध्ययन भी कर रही है और अपने पिता व दादा के साथ मस्जिद जाकर नमाज अदा करती है। परिजनों और समाज के बुजुर्गों सहित अन्य लोगों ने बच्ची की इस लगन की सराहना की है। सभी का कहना है कि इतनी छोटी उम्र में रोजा रखना एक अच्छी आदत है, जो आगे चलकर उसे अनुशासित और संस्कारी बनाएगी। नफीसा अहमद पहली कक्षा की छात्रा है और पढ़ाई में भी होशियार है। उसने बताया कि वह अपने अम्मी-अब्बू और दादा को देखकर ही रोजा रखती है। उसकी इस पहल की पूरे समाज में चर्चा हो रही है। लोगों का मानना है कि बच्ची की ऐसी प्रेरणादायक पहल से बड़ों को भी सीख लेनी चाहिए।

आयुष्मान कार्ड से लक्ष्मी नारायण को मिला जीवनदान

कोण्डागांव। शहर के भेलवापदर पारा निवासी लक्ष्मी नारायण शुक्ला अगस्त 2025 से किडनी की गंभीर बीमारी से पीड़ित हैं। 14 जनवरी से उनका नियमित डायलिसिस चल रहा है। डॉक्टरों ने सप्ताह में दो बार डायलिसिस कराने की सलाह दी है।

शहीदों को दी श्रद्धांजलि, उत्कृष्ट जवानों का किया गया सम्मान

हरिभूमि न्यूज ▶▶| कोण्डागांव

188वीं वाहिनी द्वारा सीआरपीएफ दिवस बड़े ही उत्साह और गरिमा के साथ मनाया गया। 19 मार्च का दिन केंद्रीय रिजर्व पुलिस बल के लिए ऐतिहासिक महत्व रखता है, क्योंकि इसी दिन वर्ष 1950 में तत्कालीन गृह मंत्री सरदार वल्लभभाई पटेल ने बल को ध्वज और निशान प्रदान किया था।

कार्यक्रम की शुरुआत वाहिनी मुख्यालय चिखलपुट्टी एनएच–30 स्थित शहीद स्मारक पर कमांडेंट भवेश चौधरी द्वारा श्रद्धांजलि अर्पित कर की गई। इसके बाद क्वार्टर गार्ड पर नया ध्वज फहराया गया तथा कमांडेंट चौधरी ने सेरिमोनियल गार्ड की सलामी ली। सैनिक सम्मेलन में कमांडेंट ने

188वीं वाहिनी ने धूमधाम से मनाया सीआरपीएफ दिवस

खेलकूद और सामूहिक कार्यक्रम आयोजित

कार्यक्रम के दौरान वॉलीबॉल मैच एवं सायंकाल में 'बड़ा खाना' का आयोजन किया गया, जिसमें जवानों के साथ उनके परिवारों ने भी भाग लिया। इस दौरान द्वितीय कमान अधिकारी नीतिन्द्र नाथ, सहायक कमांडेंट ओमप्रकाश विश्नोई सहित अन्य अधिकारी, अधीनस्थ अधिकारी एवं जवान उपस्थित रहे।

नक्सल गतिविधियों पर नियंत्रण में अहम भूमिका

वाहिनी द्वारा अपने कार्यक्षेत्र में नक्सल गतिविधियों पर प्रभावी नियंत्रण रखते हुए राज्य को नक्सल मुक्त बनाने में महत्वपूर्ण योगदान दिया जा रहा है। उल्लेखनीय है कि वाहिनी को अब तक परिचालनिक ड्यूटी में कोई नुकसान नहीं हुआ है। इस अवसर पर पिछले एक वर्ष में उत्कृष्ट कार्य करने वाली कंपनियों एवं जवानों को ट्रॉफी और प्रशस्ति पत्र देकर सम्मानित किया गया।

सीआरपीएफ के गौरवशाली इतिहास और देश की एकता एवं सुरक्षा में बल के महत्वपूर्ण योगदान पर प्रकाश डाला।

मांग : छत्तीसगढ़ कर्मचारी-अधिकारी फेडरेशन का आंदोलन तेज

वेतन विसंगति दूर करने, भत्ता, एरियर्स, अनुकंपा नियुक्ति सरलीकरण की मांग, सौंपा ज्ञापन

हरिभूमि न्यूज ▶▶| कोण्डागांव

छत्तीसगढ़ कर्मचारी–अधिकारी फेडरेशन द्वारा अपनी लंबित मांगों को लेकर आंदोलन तेज कर दिया गया है। 18 मार्च को जिले एवं विकासखंड स्तर पर कर्मचारियों ने प्रदर्शन करते हुए शासन का ध्यान आकर्षित किया।

- मांगों को लेकर मुख्यमंत्री के नाम एसडीएम को दिया

फेडरेशन द्वारा मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय एवं मुख्य सचिव को ज्ञापन प्रेषित कर कर्मचारियों की 11 सूत्रीय मांगों के शीघ्र निराकरण की मांग की गई। ज्ञापन में पूर्व में भेजे गए पत्रों का उल्लेख करते हुए कार्रवाई में हो रही देरी पर असंतोष जताया गया है। ज्ञापन में जुलाई 2016 से लंबित महंगाई भत्ता एरियस राशि के भुगतान एवं उसे जीपीएफ खाते में समायोजित करने की मांग प्रमुख रूप से उठाई गई है।

फेडरेशन ने कर्मचारियों के वेतनमान से जुड़ी विसंगतियों को दूर करने तथा 8, 16, 24 एवं 32 वर्ष के लंबित वेतनमान

प्रकरणों के शीघ्र निराकरण की मांग की है। ज्ञापन में अनुकंपा नियुक्ति के नियमों को सरल बनाने, रिक्त पदों पर शीघ्र भर्ती करने तथा नियमितीकरण प्रक्रिया को तेज करने की मांग की गई है। फेडरेशन ने कर्मचारियों के हित में सेवानिवृत्ति आयु 65 वर्ष करने तथा पेंशन संबंधी लाभों को बेहतर बनाने का प्रस्ताव रखा है। फेडरेशन ने स्पष्ट चेतावनी दी है कि यदि मांगों का शीघ्र समाधान नहीं किया गया तो आंदोलन को और तेज एवं उग्र किया जाएगा।

संविदा कर्मचारियों के नियमितीकरण की मांग

संविदा, दैनिक वेतनभोगी एवं अनियमित कर्मचारियों को नियमित करते हुए उन्हें नियमित पदस्थापना देने की मांग भी प्रमुख रूप से रखी गई है। शिक्षा, स्वास्थ्य सहित अन्य विभागों के कर्मचारियों की समस्याओं के समाधान के लिए उच्च स्तरीय कमेटी गठित कर रिपोर्ट सार्वजनिक करने की मांग की गई है।

पदाधिकारियों की रही मौजूदगी

ज्ञापन सौंपने के दौरान फेडरेशन के कई प्रमुख पदाधिकारी उपस्थित रहे, जिनमें प्रमुख रूप से कमल वर्मा प्रांतीय संयोजक, केदार जैन प्रांतीय उप संयोजक के निर्देश पर शिवराज सिंह ठाकुर जिला संयोजक, कोंडागांव निर्मल शार्दूल, जमील खान, यशवन्त देवांगन, सुरेंद्र नाग, छत्तीसगढ़ कर्मचारी अधिकारी फेडरेशन, जिला कोंडागांव के सभी पदाधिकारियों ने कर्मचारियों की मांगों को लेकर एकजुटता दिखाई और शासन से शीघ्र सकारात्मक निर्णय की अपेक्षा की।

विधायक ने बोरगांव में सीमेंट शेड का किया लोकार्पण

हरिभूमि न्यूज ▶▶| फरसगांव

ब्लॉक के ग्राम बोरगांव में बंग समुदाय के हरिबोल सेवा समिति द्वारा चैत्र नवरात्र के पहले बुधवार को रात्रि कीर्तन का आयोजन किया गया था। जिसमें बोरगांव, सिंगारपुरी कैम्प, मध्यम बोरगांव, पश्चिम बोरगांव, सिंगार पुरी, जुगानी, वन बोरगांव से बंग समुदाय सहित अन्य ग्रामीण मौजूद हुए। रात्रि कीर्तन के शुरु होने से पहले केशकाल विधायक नीलकंठ टेकाम बुधवार शाम करीब 5 बजे बोरगांव पहुंचे। यहां उन्होंने बंगाली समाज द्वारा निर्मित हरि बोल मंदिर के सामने बनाए गए सीमेंट शेड का विधिवत लोकार्पण किया। इस अवसर पर बंगाली समाज की महिलाओं द्वारा विधायक का भव्य स्वागत किया गया। कार्यक्रम के दौरान विधायक ने मंदिर में दर्शन कर क्षेत्र की सुख-समृद्धि की कामना की। लोकार्पण के अवसर पर विधायक नीलकंठ टेकाम ने बंगाली समाज के सभी लोगों को बधाई देते हुए कहा कि समाज की एकता ही उसके विकास की सबसे बड़ी ताकत होती है। वहीं, बंग समुदाय के लोगों ने भी विधायक का आभार व्यक्त करते हुए इस कार्य के लिए धन्यवाद दिया। बोरगांव में रहने वाले बंगाली समाज के लोगों द्वारा इस पवित्र मंदिर का निर्माण किया गया है। यह कार्य लंबे समय से अधूरा पड़ा हुआ था, जिसे पिछले एक वर्ष के भीतर पूरा किया गया।

- समाज की एकता ही विकास की सबसे बड़ी ताकत : टेकाम
- चैत्र नवरात्र के एक दिन पहले दिन रात्रि कीर्तन का आयोजन

भाजपा धर्म व सनातन मार्ग पर चलने वालों के साथ

विधायक ने विश्वास दिलाया कि भारतीय जनता पार्टी हमेशा धर्म और सनातन के मार्ग पर चलने वाले लोगों के साथ खड़ी है। उनकी भावनाओं को समझते हुए उनकी आवश्यकताओं और मांगों को पूरा करने का कार्य लगातार किया जा रहा है, ताकि देश में पुनः राम राज्य की स्थापना हो सके।

कलेक्टर एवं एसपी ने स्वास्थ्य केंद्र व निर्माण कार्यों का किया निरीक्षण

हरिभूमि न्यूज ▶▶| फरसगांव

कलेक्टर नूपुर राशि पन्ना ने पुलिस अधीक्षक पंकज चंद्रा के साथ बुधवार को फरसगांव में सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र एवं विभिन्न निर्माण कार्यों का निरीक्षण किया। इस दौरान उन्होंने शासकीय महाविद्यालय में निर्माणाधीन ग्रंथालय भवन का जायजा लेते हुए कार्य को निर्धारित समय-सीमा में पूर्ण करने के निर्देश दिए।

- कार्य में तेजी लाने के दिए निर्देश

इसके पश्चात उन्होंने सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र स्थित पोषण पुनर्वास केंद्र का निरीक्षण कर वहां भर्ती बच्चों के स्वास्थ्य की जानकारी ली। उन्होंने संबंधित अधिकारियों को बच्चों एवं उनकी माताओं को पोषणयुक्त आहार उपलब्ध कराने के निर्देश दिए। साथ ही जन्म-मृत्यु पंजीयन कार्यालय का भी अवलोकन किया।

निरीक्षण के दौरान कलेक्टर ने निर्माणाधीन पासंगी पुल का भी जायजा लिया और संबंधित निर्माण एजेंसी को कार्य में तेजी लाने के निर्देश दिए। उन्होंने स्पष्ट रूप से कहा कि निर्माण कार्यों की गुणवत्ता में किसी भी प्रकार की लापरवाही बर्दाश्त नहीं की जाएगी। इस अवसर पर एसडीएम अश्वन कुमार पुसाम, तहसीलदार जयकुमार नाग, थाना प्रभारी चंद्रशेखर श्रीवास सहित संबंधित विभागीय अधिकारी उपस्थित रहे।

पोर्टा केबिन विद्यालय देवगांव के छात्रों ने नवोदय परीक्षा में लहराया परचम

हरिभूमि न्यूज ▶▶| नारायणपुर

जिले के पोर्टा केबिन आवासीय विद्यालय देवगांव के विद्यार्थियों ने इस वर्ष जवाहर नवोदय विद्यालय चयन परीक्षा में शानदार सफलता हासिल की है। उपलब्धि के पीछे छात्रावास अधीक्षक रंजीता नाग और प्रधानाध्यापक सविता यादव का समर्पित मार्गदर्शन, अनुशासन और निरंतर मेहनत को माना जा रहा है। विद्यालय में शालेय समय के अतिरिक्त बच्चों को नवोदय की विशेष कोचिंग भी उपलब्ध कराई गई। अनुभवी ट्यूटरों के माध्यम से पढ़ाई कराई गई, साथ ही अधीक्षक और प्रधानाध्यापक द्वारा एक विशेष अध्ययन योजना तैयार की गई थी। इस योजना के तहत नियमित कक्षाओं के साथ सुबह-शाम अतिरिक्त कोचिंग, साप्ताहिक टेस्ट और व्यक्तिगत मार्गदर्शन की व्यवस्था की गई। छात्रावास अधीक्षक स्वयं बच्चों की प्रगति पर लगातार नजर रखते थे और समय-समय पर उनका उत्साहवर्धन भी करते थे। इस उपलब्धि पर अभिभावकों ने खुशी जाहिर करते हुए अधीक्षक, प्रधानाध्यापक और सफल विद्यार्थियों को बधाई दी है।

लगन व मेहनत से मिली सफलता

अधीक्षक रंजीता नाग ने सफलता का श्रेय बच्चों की मेहनत और लगन को देते हुए कहा कि यदि इसी तरह प्रयास जारी रहा, तो आने वाले वर्षों में और भी बेहतर परिणाम देखने को मिलेंगे। यह सफलता अन्य विद्यार्थियों के लिए भी प्रेरणा का स्रोत बनेगी।

दीनदयाल प्रशिक्षण महाभियान के लिए बैठक हुई आयोजित

कोरर। भारतीय जनता पार्टी कोरर मंडल में पं दीनदयाल उपाध्याय प्रशिक्षण महाभियान की तैयारी को लेकर सतीश लाटिया की मुख्य आतिथ्य में भाजपा जिलाध्यक्ष महेश जैन के निर्देशानुसार कोरर मंडल प्रभारी अशोक वलेचा कि उपस्थिति में कोरर मंडल अध्यक्ष पीयूष कश्यप के आग्रह पर मंडल में निवासरत देवतुल्य कार्यकर्ताओं एवं मंडल के पदाधिकारी मोर्चा के पदाधिकारी एवं सदस्यगणों के उपस्थिति में जिला के निर्देशानुसार प्रशिक्षण की रूपरेखा एवं तैयारी के संबंध में बैठक आहूत की गई।

इस अवसर पर भाजपा जिला मंत्री अनूप सिंह राठौर, मंडल महामंत्री जय शिवना, नरेंद्र शर्मा, शंकर लाल यादव, महिला मोर्चा जिला महामंत्री जयना तारम, रामदेव साहू, भूपेंद्र सिंह राजपूत, झाड़ू राम मांडवी, चउथ राम उइके, पुनीता यदु, थान सिंह साहू, दशरथ यादव, मनीषा कुलदीप, रोहित साहू, ईश्वर यदू, राजेश पांडे, रणजीत सिंह राठौर, राजकुमार नाग, उत्तम सिन्हा, योगेश कोमरा, पार्वती साहू, राजकुमार साहू, उमेंद्र गावडे, पुनेश चक्रधारी, प्रेमलाल उसेण्डी, सरोज साहू, सविता साहू, मिथिलेश्वरी सोरी, कुबेर कोसमा, अरुण तामकार, दिनेश नायक, देवेंद्र जैन, चंदन साहू, गुलशन परिहार, धनंजय साहू, वीरेंद्र कुंजाम, बाल सिंह उयके, सरपंच वीरेंद्र मंडावी, उपसरपंच सुदामा पटेल, हेतराम साहू, प्रेमलाल साहू, मुकेश यादव एवं कार्यकर्तागण उपस्थित रहे।

सेवानिवृत्त व मृत शिक्षकों को पेंशन भुगतान का आदेश पत्र दिया गया

पखांजूर। खंड शिक्षा अधिकारी कार्यालय कोयलीबेड़ा द्वारा विकासखण्ड के सेवानिवृत्त एवं मृत शिक्षकों के पेंशन अदायगी आदेश वितरण के लिए सम्मान समारोह कोयलीबेड़ा खंड शिक्षा अधिकारी कार्यालय पखांजूर में आयोजित किया गया। इस दौरान इन्हें शाल एवं श्रीफल देकर सम्मानित किया गया। इस दौरान नगर पंचायत उपाध्यक्ष शंकर सरकार ने कहा कोयलीबेड़ा विकासखण्ड के इतिहास में यह पहली बार है कि जब खंड शिक्षा अधिकारी कार्यालय की विशेष सक्रियता से 14 शिक्षकों एवं दिवंगत शिक्षकों के परिवार के मुखिया का पेंशन अदायगी आदेश एक साथ प्रदाय किया जा रहा है। बीईओ कोयलीबेड़ा देवकुमार शील ने बताया कि विकासखण्ड के सेवानिवृत्त शिक्षक विनोद पाठक, दीपक चंद्र मंडल, गणेश चंद्र मंडल, गीता रानी सरकार, हेमंत कुमार वैद्य एवं सेवा काल के दौरान दिवंगत शिक्षकों स्वर्गीय सुबल कुमार विश्वास, रविंद्र नाथ हवलादार, अनुप कुमार देहारि, ओम प्रकाश महला, नरेंद्र मंडावी, शिवकुमार नाग, रवि कुमार, जूथिका दास, मुहरा राम कचलाम परिजनों को पेंशन अदायगी आदेश जारी किया गया।

बड़ेसोहंगा में जिला स्तरीय जनसमस्या निवारण शिविर आयोजित

शिविर में 138 आवेदन मिले, 72 का मौके पर निराकरण

हरिभूमि न्यूज ▶▶| कोण्डागांव

जनपद पंचायत माकड़ी अंतर्गत दूरस्थ ग्राम बड़ेसोहंगा में जिला स्तरीय जनसमस्या निवारण शिविर का आयोजन किया गया, जिसमें बड़ी संख्या में ग्रामीण शामिल हुए।

- हितग्राहियों को सामग्री का वितरण

शिविर में कलेक्टर श्रीमती नूपुर राशि पन्ना सहित जनप्रतिनिधियों ने ग्रामीणों को शासन की विभिन्न जनकल्याणकारी योजनाओं का अधिक से अधिक लाभ उठाने के लिए प्रेरित किया। शिविर के दौरान कुल 138 आवेदन प्राप्त हुए, जिनमें से 72 आवेदनों का मौके पर ही निराकरण किया गया। कलेक्टर ने शेष आवेदनों के त्वरित समाधान के निर्देश दिए। शिविर में मत्स्य

विभाग द्वारा 2 मछली जाल, कृषि विभाग द्वारा 10 हितग्राहियों को उड़द बीज तथा श्रम विभाग द्वारा 6 श्रम कार्ड वितरित किए गए। शासकीय योजनाओं के तहत लाभ प्राप्त करने वाले हितग्राहियों ने खुशी जाहिर करते हुए शासन–प्रशासन के प्रति आभार व्यक्त किया।

ये रहे उपस्थित

इस अवसर पर जिला पंचायत सीईओ अविनाश भोई, एसडीएम अजय उरांव, जनपद पंचायत माकड़ी के सीईओ गजेन्द्र धुरडे, तहसीलदार अंकुर रात्रे सहित विभिन्न विभागों के अधिकारी उपस्थित रहे।

पेज 11 के शेष

ज्योति कलशों की...

प्रसाद वितरण की विशेष व्यवस्था भी की गई। नवरात्र के पहले दिन आस्था, उत्साह और उल्लास का अनूठा संगम देखने को मिला। आने वाले नौ दिनों तक इसी तरह भक्तिभाव और श्रद्धा के साथ माता रानी की आराधना जारी रहेगी, जिससे पूरा क्षेत्र आध्यात्मिक ऊर्जा से सराबोर बना रहेगा।

बोलेरो की ठोकर ..

शोरी को मृत घोषित कर दिया, वहीं विकास शोरी के सिर, पैर और शरीर में गंभीर चोटें आई हैं, जबकि प्रीति शोरी को भी अंदरूनी चोटें आई हैं और उनका इलाज जारी है। घटना की शिकायत पर पुलिस ने आरोपी चालक के खिलाफ भारतीय न्याय संहिता की धारा 106 (1), 125 (ए) और 281 के तहत मामला दर्ज कर जांच शुरू कर दी है। हादसे के बाद क्षेत्र में शोक का माहौल है और परिजनों का रो-रोकर बुरा हाल है।

जलवायु परिवर्तन ...

की जिम्मेदारी केवल वन विभाग तक सीमित नहीं है, बल्कि हर व्यक्ति को इसमें अपनी सक्रिय भूमिका निभानी होगी। कलेक्टर ने आमजन से अपील करते हुए कहा कि छोटे-छोटे प्रयास भी बड़े बदलाव ला सकते हैं। प्लास्टिक का पुनर्चक्रण, वर्षा ऋतु में वृक्षारोपण और पौधों की देखरेख, खेतों में पराली न जलाना, जंगलों में आग से बचाव और रासायनिक उर्वरकों के स्थान पर जैविक खाद का उपयोग जैसे कदम जलवायु परिवर्तन को नियंत्रित करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभा सकते हैं। कार्यक्रम में यह भी बताया गया कि वैश्विक ताप वृद्धि में भारत की भागीदारी लगभग 4.8 प्रतिशत है, फिर भी देश पर्यावरण संरक्षण के लिए लगातार प्रयासरत है। इस कार्यशाला में वन विभाग के अधिकारियों सहित विभिन्न विभागों के प्रतिनिधि उपस्थित रहे।

खबर संक्षेप

ज्योति कलश की स्थापना

भानपुरी। शीतला माता मंदिर भानपुरी व नरसिंह मंदिर मुरकुची सहित मां दतेश्वरी मंदिर केशरपाल में चैत्र नवरात्रि के पावन पर्व पर ज्योति कलश की स्थापना की गई। जिसमें सैकड़ों भक्तों ने मनोकामना ज्योत जलाया है।

सामान्य सभा की बैठक आज

बीजापुर। जिला पंचायत बीजापुर में सामान्य सभा की बैठक 20 मार्च को प्रातः 11:30 बजे जिला पंचायत सभाकक्ष में आहूत की गयी है। बैठक में वन, स्वास्थ्य, आदिवासी विकास, स्कूल शिक्षा विभाग, महिला एवं बाल विकास, कृषि, लोक स्वास्थ्य यांत्रिकी ईत्यादि विभागों के कार्यों की समीक्षा की जावेगी। उक्त बैठक में सभी विभागों के जिला स्तरीय अधिकारियों को अद्यतन जानकारी सहित उपस्थित होने के निर्देश दिए गए हैं। वहीं जिला पंचायत सदस्यों एवं मानद सदस्य सर्व जनपद पंचायत अध्यक्ष को इस बैठक में उपस्थित होने को आग्रह किया गया है।

परीक्षा की तैयारी के लिए कोचिंग क्लास शुरू करने की मांग

बचेली। एनएमडीसी एल-1 एवं एल-2 भर्ती परीक्षा की तैयारी को लेकर क्षेत्र के युवाओं में उत्साह के साथ-साथ सुविधाओं की मांग भी तेज हो गई है। इसी कड़ी में आज बचेली नगर पालिका अध्यक्ष राजू जायसवाल के नेतृत्व में युवा साथियों ने एसडीएम को ज्ञापन सौंपकर बचेली में कोचिंग क्लास प्रारंभ करने की मांग की। ज्ञापन में बताया गया कि क्षेत्र के अनेक प्रतिभाशाली युवा एनएमडीसी की आगामी एल-1 एवं एल-2 परीक्षा की तैयारी करना चाहते हैं, लेकिन स्थानीय स्तर पर उचित मार्गदर्शन और कोचिंग सुविधाओं के अभाव में उन्हें कठिनाइयों का सामना करना पड़ रहा है। ऐसे में यदि बचेली में ही कोचिंग क्लास की व्यवस्था की जाती है, तो इससे स्थानीय युवाओं को सीधा लाभ मिलेगा और उनकी सफलता की संभावनाएं भी बढ़ेंगी। इस दौरान नगर पालिका अध्यक्ष राजू जायसवाल ने कहा कि क्षेत्र के युवाओं को बेहतर अवसर उपलब्ध कराना प्राथमिकता होनी चाहिए। उन्होंने प्रशासन से मांग की कि शीघ्र ही कोचिंग क्लास प्रारंभ कराने के लिए आवश्यक कदम उठाए जाएं। कार्यक्रम में युवा मोर्चा के मंडल अध्यक्ष अर्णब चक्रवर्ती सहित बड़ी संख्या में युवा उपस्थित रहे। सभी ने एक स्वर में इस पहल को युवाओं के भविष्य के लिए महत्वपूर्ण बताया। एसडीएम ने प्रतिनिधिमंडल को आश्वस्त किया कि उनकी मांगों पर गंभीरता से विचार किया जाएगा और संबंधित अधिकारियों से चर्चा कर उचित कार्रवाई की जाएगी।

हर तेंदूपत्ता संग्राहक का होगा बैंक में खाता, प्रशासन चला रहा है अभियान

हरिभूमि न्यूज ⏭ बीजापुर

पारदर्शी भुगतान की दिशा में कदम

जिले में तेंदूपत्ता संग्राहकों के जीवन में सकारात्मक बदलाव लाने के लिए जिला प्रशासन ने एक महत्वपूर्ण पहल शुरू की है। जिन संग्राहकों के पास अब तक बैंक खाता नहीं है, उनके लिए विशेष अभियान चलाकर खाते खुलवाए जा रहे हैं। यह कार्य जिला प्रशासन और वन विभाग के संयुक्त प्रयासों से तेजी से आगे बढ़ रहा है।

- ग्रामीण क्षेत्रों में इस पहल को लेकर उत्साह देखा जा रहा

इस पहल का मुख्य उद्देश्य यह सुनिश्चित करना है कि आगामी तेंदूपत्ता सीजन में सभी संग्राहकों को उनका पारिश्रमिक सीधे बैंक खाते के माध्यम से पारदर्शी और सुरक्षित तरीके से मिल सके। प्रशासन पूरी तरह सक्रिय है ताकि कोई भी हितग्राही इस व्यवस्था से वंचित न रह जाए।

अभियान के तहत गांव-गांव पहुंचकर पात्र संग्राहकों की पहचान की जा रही है और बैंकिंग प्रक्रिया को सरल बनाते हुए उनके खाते खुलवाए जा रहे हैं। इससे न केवल भुगतान प्रणाली में पारदर्शिता आएगी, बल्कि बिचौलियों की भूमिका भी समाप्त होगी और संग्राहकों को उनका पूरा हक सीधे प्राप्त होगा।

प्रशासन ने यह भी स्पष्ट किया है कि आज के समय में बैंक खाता केवल भुगतान प्राप्त करने का माध्यम ही नहीं, बल्कि केंद्र और राज्य शासन की अधिकांश जनकल्याणकारी योजनाओं का लाभ उठाने के लिए भी अनिवार्य है। ऐसे में यह अभियान संग्राहकों को आर्थिक रूप से सशक्त बनाने की दिशा में एक बड़ा कदम साबित हो रहा है। ग्रामीण क्षेत्रों में इस पहल को लेकर उत्साह देखा जा रहा है। संग्राहकों का कहना है कि बैंक खाता खुलने से उन्हें भविष्य में कई योजनाओं का लाभ मिलेगा और उनकी आय सुरक्षित रहेगी।

जिला प्रशासन का लक्ष्य है कि इस अभियान के माध्यम से प्रत्येक पात्र तेंदूपत्ता संग्राहक को बैंकिंग व्यवस्था से जोड़ा जाए, जिससे वे आत्मनिर्भर बनें और उन्हें समय पर, पूर्ण एवं पारदर्शी भुगतान सुनिश्चित हो सके।

पहली बार कलेक्टर पहुंचे ताड़मेटला

जहां कभी गूंजती थी गोलियों की आवाज, अब विकास की दस्तक

हरिभूमि न्यूज ⏭ दोरनापाल

वर्षों तक भय और उपेक्षा का प्रतीक रहे ताड़मेटला गांव में आज एक नई उम्मीद की किरण दिखाई दी। आजादी के बाद पहली बार किसी कलेक्टर का इस सुदूर गांव तक पहुंचना न केवल प्रशासनिक पहल है, बल्कि विश्वास, संवेदना और बदलाव का सशक्त संदेश भी है।

कलेक्टर अमित कुमार और एसपी किरण चव्हाण ने घने जंगलों और कठिन पगडंडियों को पार कर ताड़मेटला पहुंचकर ग्रामीणों से सीधा संवाद किया। उनके साथ डीआईजी सीआरपीएफ आनंद सिंह पुरोहित और जिला पंचायत सीईओ मुकुंद ठाकुर भी उपस्थित रहे। प्रशासनिक टीम की यह पहल ग्रामीणों के लिए भावनात्मक और ऐतिहासिक पल बन गई। गांव में चौपाल लगाकर अधिकारियों ने ग्रामीणों की समस्याएं सुनीं और मौके पर ही समाधान की दिशा में ठोस कदम उठाए। प्राथमिक शाला, आंगनबाड़ी भवन और पंचायत भवन के निर्माण के लिए कुल 45 लाख रुपये की प्रशासकीय स्वीकृति प्रदान की गई। साथ ही 15 लाख रुपये की अग्रिम राशि भी पंचायत के खाते में हस्तांतरित कर दी गई, जिससे विकास कार्यों की शुरुआत तुरंत हो सके। ग्रामीणों के जीवन को आसान बनाने के लिए पेयजल व्यवस्था पर भी विशेष ध्यान दिया गया है। प्रशासन ने आश्वस्त किया कि सप्ताह भर के भीतर हर घर तक पानी पहुंचाने का कार्य पूर्ण कर लिया जाएगा, क्योंकि पाइपलाइन बिछाने का काम लगभग पूरा हो चुका है। इसके साथ ही प्रधानमंत्री आवास योजना, वृद्धा पेंशन, महतारी वंदन योजना, तेंदूपत्ता खरीदी, बिजली और सड़क जैसी मूलभूत सुविधाओं पर भी सकारात्मक और विस्तृत चर्चा हुई। ग्रामीणों ने पहली बार महसूस किया कि प्रशासन उनकी दहलीज तक पहुंचकर उनकी समस्याओं को गंभीरता से सुन रहा है। उल्लेखनीय है कि ताड़मेटला वही गांव है, जो वर्ष 2010 की उस दर्दनाक घटना का साक्षी रहा, जब नक्सलियों ने 76 जवानों को शहीद कर दिया था। आज उसी धरती पर प्रशासन का यह कदम नक्सल उन्मूलन की दिशा में एक मजबूत संदेश और विश्वास बहाली की बड़ी पहल माना जा रहा है। विष्णुदेव साय के नेतृत्व में राज्य सरकार द्वारा सुशासन और विकास की जो परिकल्पना की गई है, ताड़मेटला में उसकी ठोस शुरुआत स्पष्ट रूप से दिखाई दे रही है। कलेक्टर अमित कुमार ने भावुक शब्दों में ग्रामीणों से कहा, अब आपके गांव का विकास आपके अपने हाथों में है। इन प्रशासनिक भवनों को गुणवत्तापूर्ण और समयबद्ध तरीके से पूरा कीजिए। प्रशासन हर कदम पर आपके साथ खड़ा है।

- जंगल-पगडंडियों को पार कर कलेक्टर-एसपी पहुंचे गांव, भरोसे और बदलाव की मजबूत शुरुआत

नशे की हालत में ट्रक और हाईवा चलाते मिले, चालकों पर 23 हजार जुर्माना

हरिभूमि न्यूज ⏭ दंतेवाड़ा

थाना भांसी द्वारा लगातार ड्रिंक एंड ड्राइव एवं यातायात नियमों का उल्लंघन करने वाले वाहनों पर कार्यवाही करते हुए 2 ट्रकों को न्यायालय में पेश कर 12000 व 11000 कुल 23000 रुपये के अर्थदण्ड से दण्डित कराया गया।

यातायात नियमों का पालन करवाने एवं सड़क सुरक्षा को ध्यान में रखते हुए अवैध परिवहन पर अंकुश लगाने के संबंध में दंतेवाड़ा पुलिस अधीक्षक गौरव राय के द्वारा जिले के सभी थाना को यातायात व्यवस्था सुदृढ़ करने आदेश दिया गया है। जिस पर अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक आरके बर्मन, पुलिस अनुविभागीय अधिकारी किरन्दुल कमलजीत पाटले के दिशा-निर्देश एवं मार्गदर्शन में भांसी पुलिस द्वारा लगातार वाहनों की चेंकिग की जा रही थी। उक्त चेकिंग के दौरान दो ट्रकों का ड्रिंक एन्ड ड्राइव के तहत प्रकरण बनाकर न्यायालय में पेश किया गया व न्यायालय ने वाहन चालकों को कुल 23000 रुपये के अर्थदण्ड से दण्डित किया है।

- ड्रिंक एंड ड्राइव एवं यातायात नियमों का उल्लंघन पर मिली सजा

हाईवा ट्रक क्रमांक सीजी 18 एच 1595 के वाहन चालक विक्रम कर्मा के द्वारा 20 फरवरी को शराब का सेवन कर नशे में बिना तिरपाल ढंके खनिज अयस्क परिवहन करते पाये जाने पर मोटर व्हीकल एक्ट की धारा के तहत कार्यवाही करते हुए वाहन को जप्त कर अग्रिम वैधानिक कार्यवाही वास्ते प्रकरण तैयार कर न्यायालय भेजा गया था। जिस पर न्यायालय द्वारा 11000 रूपये के अर्थदंड से दंडित किया है। वहीं 13 मार्च को ट्रक वाहन क्रमांक सीजी 04 पीजी 4007 के वाहन चालक खोम कुमार साहु के द्वारा शराब का सेवन कर नशे में खतरनाक तरीके से उपरोक्त वाहन को चलाते पाये जाने पर मोटर व्हीकल एक्ट की धारा के तहत कार्यवाही करते हुए वाहन को जप्त कर अग्रिम वैधानिक कार्यवाही वास्ते प्रकरण तैयार कर न्यायालय भेजा गया था। जिस पर न्यायालय द्वारा 11000 रूपये के अर्थदंड से दंडित किया है। दंतेवाड़ा पुलिस आम जनता से अपील करती है कि ड्रिंक एंड ड्राइव न करे एवं यातायात के सभी नियमों का पालन सुनिश्चित करे।

शहीद जवानों को याद करते सम्मान में दी सलामी

हरिभूमि न्यूज ⏭ दरभा

241 वाहिनी केन्द्रीय रिजर्व पुलिस ने 87वीं सीआरपीएफ डे वाहिनी मुख्यालय सेड़वा में 19 मार्च को हर्षोउल्लास के साथ मनाया।

इस अवसर पर हरविन्दर सिंह कमांडेंट 241 बस्तरिया बटालियन ने शहीदों को श्रद्धांजलि अर्पित की तथा बल के शहीद जवानों को याद करते हुए शहीदों को सम्मान में सलामी दिया। उन्होंने जवानों को सम्बोधित करते हुए बल के इतिहास के बारे में जवानों को अवगत कराया। सायंकाल में इस मुख्यालय परिसर में खेलों का आयोजन किया गया। जिसमें बल के कार्मिकों ने बढ़चढ़ कर हिस्सा लिया। स्थापना दिवस समारोह में कमांडेंट के साथ द्वितीय कमान अधिकारी संजय कुमार, उप कमांडेंट निरजंन कुमार निराला और अधिकारी, अधिनस्थ अधिकारी एवं जवान उपस्थित रहे।

भक्तों ने आस्था और श्रद्धा के साथ रात भर किया जगराता

हरिभूमि न्यूज ⏭ किरंदुल

लौहनगरी किरंदुल में ठाकुर बाल ब्रह्मचारी सत्यानंद परमहंस देवजी का 109 जन्म महोत्सव धूमधाम से नर नारायण सेवा संघ ने राधा कृष्ण मंदिर बंगाली कैंप किरंदुल में मनाया।

नर नारायण सेवा संघ ने बंगाली कैंप में भव्य राधा कृष्ण मंदिर बनाकर उसमें ठाकुर बाल-ब्रह्मचारी सत्यानंद परमहंस देवजी की प्रतिमा स्थापित किया गया है। मंदिर में ठाकुरजी के 108 तम जन्म महोत्सव बुधवार को शाम महिलाओं ने कलश स्थापना के लिए झांकी के रूप में तालाब जाकर पानी भरा उसके पश्चात संध्या 6 बजे से श्रद्धालुओं ने भजन आरती प्रारंभ कर पूजा अर्चना किया। रात 9 बजे से भक्तों के लिए भंडारा प्रारंभ किया गया जो मध्य रात्रि तक चला। पूजा पाठ संध्या से चलती रही और मध्य रात्रि 12 बजे 108 दिया प्रज्वलित कर ठाकुर सत्यानंद के जयकारे के साथ माखन का भोग लगवाया। मंदिर प्रांगण को भगवा और सफेद रंग के बैलून से सजाया गया था, जो एक आकर्षण का केंद्र बनी हुई थी। भक्तों ने आस्था और श्रद्धा के साथ रात भर जगराता किया जो दूसरे दिन शनिवार को सुबह 6 बजे समाप्त हुआ। गुरुवार सुबह 7 बजे अनुयायियों एवं भक्तों ने भजन कीर्तन करते हुए ठाकुरजी को नगर भ्रमण कराया एवं श्रद्धालुओं के घर जाकर चरणों का धूल दिया उनके श्रद्धालु अपने द्वार पर पानी डाल के शंख घंटी बजाया। भ्रमण के बाद मंदिर लाकर फिर स्नान कराया गया। श्रद्धालुओं ने पूजा के पश्चात महा भंडारे का प्रसाद ग्रहण किया। जिसमें दूर-दूर से श्रद्धालु मंदिर पहुंचे। जो भंडारा शाम 6 बजे तक चलता रहा। भक्तों की संख्या देखने के पश्चात ऐसा प्रतीत हो रहा था कि साक्षात ठाकुरजी इस मंदिर में उपस्थित थे, उनकी प्रतिमा से तेजस्वी प्रकाश श्रद्धालुओं को महसूस हो रही थी। श्री राधा कृष्ण मंदिर कमेटी की अध्यक्ष तुलसी राय एवं सचिव विप्लव मल्लिक व ठाकुरजी के जन्म उत्सव संचालन कमेटी में अध्यक्ष संजीव दास, सचिव प्रकाश मंडल, कोषाध्यक्ष निताई पाल राकेश गोलदार, परितोष सेन, अजय मंडल, निमाई पाल, रामकृष्ण मंडल, अनूप कर, बाबू मंडल, मानिक साहा, सुजीत मिस्त्री, मंदिर पुजारी शांति हालदार मालती कीर्तनिया, संध्या साहा, आशा मिस्त्री, सुषमा राय एवं सदस्यों का विशेष रुप से सहयोग था।

विशेषज्ञ समिति ने किया उपजेल का निरीक्षण

बीजापुर। महिला बाल विकास विभाग नया रायपुर एवं कलेक्टर संबित मिश्रा के निर्देश पर जिला बीजापुर में उपजेल निरीक्षण हेतु विशेषज्ञ समिति का गठन किया गया है। विशेषज्ञ निरीक्षण समिति द्वारा 18 मार्च को उपजेल जिला बीजापुर का निरीक्षण किया गया। विशेषज्ञ निरीक्षण समिति द्वारा प्रत्येक बैरक में जाकर बंदियों का प्रत्यक्ष अवलोकन किया गया। जिसमें निरीक्षण के दौरान उपजेल बीजापुर के बैरक में कुल 194 निरूद्ध बंदी पाये गये एवं सभी बंदियों से पूछताछ की गई। जेल निरीक्षण के दौरान ए.के.शुक्ला उप जेल अधीक्षक एवं विशेषज्ञ समिति के नीलाबाई यालम सदस्य जेजेबी, मिली सत्यन, सदस्य सीडब्ल्यूसी, साधना कश्यप सदस्य सीडब्ल्यूसी, देविन्दा राना सदस्य, नवीन मिश्रा संरक्षण अधिकारी, कु आनंदमई मल्लिक विधिक सह परिवीक्षा अधिकारी, देवाअम्मा मेकल महिला प्रधान आरक्षक एवं संदीप चिडेम़ सामाजिक कार्यकर्ता उपस्थित रहे।

पुल से 15 फीट नीचे गिरा टिप्पर, चालक घायल

हरिभूमि न्यूज ⏭ दरभा

दरभा विकासखंड के ग्राम पंचायत कड़मा में कई गिट्टी खदान संचालित है। गुरुवार को टिप्पर वाहन क्रमांक सीजी 08 बीबी 3600 में गिट्टी भरकर वाहन चालक राजनांदगाव निवासी 60 वर्षीय धनसिंह गिट्टी भरकर तेज गति से नेगानार की ओर आ रहा था, जिसके लापरवाही से अनियंत्रित टिप्पर मंगनार मोड़ के पास 15 फिट पुल के नीचे जा गिरा। हादसे में वाहन चालक गंभीर रूप से घायल हो गया, उसका दांया पैर टूट गया हैं। स्थानीय ग्रामीणों ने सजगता दिखाते हुए अपने निजी वाहन से उसे निकट के प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र नेगानार में भर्ती करवाया, जहां उसकी मरहम पट्टी आदि की गई। परन्तु डॉक्टरों की अनुपस्थिति से यहां उसकी अधिक चिकित्सा नहीं हो सकी जिसके चलते एम्बुलेंस कॉल कर बेहतर चिकित्सा के लिए उसे मेडिकल कॉलेज डिमरापाल भेजने की तैयारी की जा रही थी। इस मामले में कामानार चौकी पुलिस कार्रवाई कर रही हैं।

गरीब और जरूरतमंद ग्रामीणों को मिला उपयोगी सामान

हरिभूमि न्यूज ⏭ जगदलपुर

छत्तीसगढ़ सेक्टर के आईजी शालिन के मार्गदर्शन, बीएस नेगी डीआईजी (ऑप्स) बीजापुर के पर्यवेक्षण, विजेन्द्र सिंह कमांडेंट 222 बटालियन के नेतृत्व तथा मूल चंद द्वितीय कमान अधिकारी अनंथा कृष्णा जे एसएमओ व जवानों की उपस्थिति में 18 मार्च को सी/222 बटालियन गंगालूर में सिविक एक्शन प्रोग्राम का आयोजन किया गया। इस कार्यक्रम में 13 आंतरिक गांवों से 600 से अधिक ग्रामीणों की बड़ी भागीदारी देखने को मिली जो बल और स्थानीय जनता के बीच गहरे विश्वास एवं मजबूत संबंधों को दशार्ती है।

जहां सबसे गरीब एवं जरूरतमंद वर्गों को अधिकतम लाभ प्राप्त हो सके इसका ध्यान रखा गया। इस दौरान आवश्यक एवं उपयोगी सामग्रियों का वितरण किया गया। इनमे जल टैंक, सोलर लाइट, लालटेन, बर्तन, पुरुषों एवं महिलाओं के लिए वस्त्र, चप्पल, कंबल तथा आजीविका को बढ़ावा देने कृषि उपकरण शामिल थे। इसके अतिरिक्त, खेलों को बढ़ावा देने एवं युवाओं को सकारात्मक गतिविधियों की ओर प्रेरित करने के उद्देश्य से फुटबॉल, वॉलीबॉल, बॉलीबॉल नेट एवं क्रिकेट किट खेल सामग्री का वितरण किया गया। कार्यक्रम के साथ मानवीय सहायता को विस्तार देते हुए निःशुल्क चिकित्सा शिविर का भी आयोजन किया गया। डॉ. अनंथ, एम (एमओ)-222 बटा ने ग्रामीणों के लिए ओपीडी संचालित की गई। जिसमें निःशुल्क दवाइयों का वितरण किया गया। इससे दूरस्थ क्षेत्रों में रहने वाले उन लोगों की तात्कालिक स्वास्थ्य आवश्यकताओं को पूरा किया गया, जिन्हें सामान्यतः चिकित्सा सुविधाएं आसानी से उपलब्ध नहीं हो पाती है।

जिले में कृषि महाविद्यालय खोलने की मांग

दंतेवाड़ा। भाजपा अनुसूचित जनजाति मोर्चा के प्रदेश मंत्री रामू नेताम ने जिले में कृषि महाविद्यालय की मांग को लेकर मुख्यमंत्री के नाम कलेक्टर को ज्ञापन सौंपा है। जिसमें उन्होंने दंतेवाड़ा जिले में कृषि महाविद्यालय की स्थापना की मांग करते हुए कहा है कि दंतेवाड़ा एक आदिवासी बहुल के साथ-साथ जैविक जिला भी है। रामू नेताम ने कहा कि कृषि क्षेत्र रुचि रखने वाले जिले के विद्यार्थियों को उच्च शिक्षा प्राप्त करने के लिए जिले से बाहर जाना पड़ता है। जिससे आर्थिक रूप से कमजोर परिवारों के विद्यार्थियों को अत्यधिक कठिनाइयों का सामना करना पड़ता है ।इस कारण कई प्रतिभावान छात्रों को अपना विषय भी परिवर्तित करना पड़ जाता है।रामू नेताम ने कहा कि जिले में वर्तमान में कृषि शिक्षा महाविद्यालय अत्यंत आवश्यकता है। उन्होंने कहा कि यदि जिले में कृषि महाविद्यालय की स्थापना की जाती है तो इससे स्थानीय विद्यार्थियों को उच्च शिक्षा का अवसर मिलेगा।

खबर संक्षेप

ई एसआई कार्ड के लिए सीएमओ को सौंपा ज्ञापन

भानुप्रतापपुर। नगर पंचायत भानुप्रतापपुर के प्लेसमेंट कर्मचारियों ने अपने ई एसआई कार्ड के लिए नगर पालिका अधिकारी को ज्ञापन सौंपकर तुरंत ई एसआई कार्ड दिलाने की मांग किया है। जारी एक प्रेस बयान में छत्तीसगढ़ नगरीय निकाय कर्मचारी यूनियन के इकाई संयोजक विष्णु यादव ने बताया कि कर्मचारियों के वेतन से ई एसआई बाबत राशि की कटौती होती है, लेकिन ई एसआई कार्ड कर्मचारियों को आज तक वितरित नहीं किया है। यूनियन नेता ने कहा कि ई एसआई से कर्मचारी और उनके परिवार के आश्रितों को मुफ्त में इलाज की सुविधा मिलता है, लेकिन ई एसआई कार्ड नहीं मिलने के कारण कर्मचारी इस सुविधा से वंचित है। यूनियन के एक प्रतिनिधिमंडल ने इस संबंध में सीएमओ से चर्चा किया और सीएमओ ने प्रतिनिधिमंडल को आश्वस्त किया बहुत शीघ्र ही कर्मचारियों को ई एसआई कार्ड वितरित करने के लिए ठेकेदार को पत्र लिखेंगे। यूनियन नेता ने अपनी मांग पत्र में कर्मचारियों वेतन पूर्व वेतन पर्ची वितरित करने, प्रत्येक माह के 10 तारीख तक वेतन भुगतान करने की भी मांग किया है।

सर्व पिछड़ा वर्ग सामुदायिक भवन निर्माण के लिए किया भूमिपूजन

भानुप्रतापपुर। नगर में सर्व पिछड़ा वर्ग समाज के लिए प्रस्तावित सामुदायिक भवन निर्माण का भूमिपूजन विधि-विधान के साथ संपन्न हुआ। इस अवसर पर नगर पंचायत अध्यक्ष सहित जनप्रतिनिधि एवं गणमान्य नागरिक बड़ी संख्या में उपस्थित रहें। नगर पंचायत अध्यक्ष निखिल सिंह राठौर ने बताया कि यह भवन वित्त मंत्री ओपी चौधरी द्वारा कांकेर आगमन के दौरान की गई घोषणा के अनुरूप स्वीकृत हुआ है। राशि प्राप्त होने के बाद विधिवत भूमिपूजन कर निर्माण कार्य प्रारंभ कर दिया गया है। ओबीसी प्रदेश अध्यक्ष जगन्नाथ साहू ने कहा कि इस भवन के निर्माण से समाज के सामाजिक एवं सांस्कृतिक कार्यक्रमों के आयोजन में सुविधा मिलेगी। प्रस्तावित भवन में ग्राउंड फ्लोर एवं प्रथम तल पर बड़े हॉल और कमरे बनाए जाएंगे, जिससे अधिक लोगों की सहभागिता सुनिश्चित हो सकेगी। उन्होंने आगे बताया कि मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय द्वारा भी 50 लाख रुपये की अतिरिक्त राशि की घोषणा की गई है, जिससे भवन को और अधिक सुविधायुक्त बनाया जाएगा। इस अवसर पर पार्षद निशा हितेश तिवारी, नरेंद्र कुलदीप, गुमान ठाकुर, राजकुमार यादव, मनदीप कौर, विजय धामेचा, पंकज वाधवानी, अनंत गोपाल कोठारी, राकेश रमानी, नरोत्तम सिंह चौहान, जुगल शर्मा सहित अन्य जनप्रतिनिधि उपस्थित रहें। वहीं समाज की ओर से राजकुमार ठाकुर, इंदु रावत, ईश्वर साहू, अरविंद जैन, मनीष योगी टेम्पा, ज्वाला जैन, मुकेश चंद्राकर, राकेश देवांगन, नरेंद्र साँवले, लक्ष्मण, एस निषाद, मोनू यादव सहित अन्य लोग उपस्थित रहें।

मां बंजारी धाम में चैत्र नवरात्रि की धूम, श्रद्धा और परंपरा का संगम

हरिभूमि न्यूज ⏭ दुर्गाकोंदल

चैत्र नवरात्रि के पावन अवसर पर पल्लामारी स्थित प्रसिद्ध माँ बंजारी मंदिर में भक्ति और आस्था का अद्भुत दृश्य देखने को मिला। पूरे क्षेत्र में जय माता दी के जयकारों से वातावरण गूंज उठा और श्रद्धालुओं का जनसैलाब उमड़ पड़ा। इस अवसर पर 248 मनोकामना ज्योति कलश स्थापना कर दीप प्रज्वलित किए गए, जिसने पूरे परिसर को आध्यात्मिक ऊर्जा से भर दिया।

धार्मिक अनुष्ठान का शुभारंभ प्रसिद्ध पंडित तामेश्वर तिवारी के वैदिक मंत्रोच्चार के साथ हुआ। विधि-विधान और शास्त्रीय परंपराओं के अनुरूप कलश स्थापना की गई। श्रद्धालुओं ने कलश में आस्था का दीप प्रज्वलित कर माँ बंजारी से सुख-समृद्धि और मनोकामनाओं की पूर्ति की प्रार्थना की। प्रवचन में नवरात्रि के महत्व, माँ दुर्गा के नौ स्वरूपों और कलश स्थापना के आध्यात्मिक एवं वैज्ञानिक पक्ष को विस्तार से बताया, जिससे श्रद्धालु भाव-विभोर हो उठे। उन्होंने कहा कि नवरात्रि शक्ति उपासना का सर्वोच्च पर्व है, जिसमें साधक आत्मशुद्धि और साधना के माध्यम से देवी की आराधना करता है।

मंदिर परिसर में भक्ति का ऐसा माहौल था कि गर्भगृह से लेकर प्रांगण तक हर ओर श्रद्धा की छटा बिखरी हुई थी। ग्राम की महिलाओं ने पारंपरिक भजनों और मंगल गीतों से वातावरण को और अधिक भक्तिमय बना दिया।

कार्यक्रम के उपरांत विशाल प्रसादी का आयोजन किया गया, जिसमें श्रद्धालुओं ने प्रसाद ग्रहण कर आत्मिक शांति और संतोष का अनुभव किया। मंदिर समिति के अध्यक्ष ने बताया कि इस प्रकार के धार्मिक आयोजन से क्षेत्र में सकारात्मक ऊर्जा का संचार होता है और लोगों में आपसी भाईचारा एवं आस्था मजबूत होती है। चैत्र नवरात्रि के इस पावन पर्व ने एक बार फिर यह साबित कर दिया कि सनातन संस्कृति में आस्था, परंपरा और सामूहिक श्रद्धा की गहराई आज भी उतनी ही जीवंत है।

सैकड़ों श्रद्धालुओं ने पाया प्रसाद

चौगेल मुल्ला पुनर्वास केंद्र में प्रशिक्षण से सरेंडर नक्सलियों का बढ़ा आत्मविश्वास

मुख्यमंत्री व उपमुख्यमंत्री ने 38 समर्पित माओवादियों से विस में की मुलाकात

हरिभूमि न्यूज ⏭ कांकेर

कांकेर जिला के चौगेल मुल्ला पुनर्वास केंद्र में रहकर प्रशिक्षण लेने वाले रायपुर पहुंचे आत्मसमर्पित माओवादियों की मुस्कान इस बदलाव की सबसे बड़ी गवाही बनी, जब उन्होंने विधानसभा परिसर में मुख्यमंत्री विष्णु देव साय और उप मुख्यमंत्री विजय शर्मा से मुलाकात कर मुख्यधारा में लौटने की खुशी साझा की। इस अवसर पर वन मंत्री केदार कश्यप और पंचायत एवं ग्रामीण विकास विभाग की प्रमुख सचिव निहारिका बारिक भी उपस्थित रहीं।

जानकारी के अनुसार बुधवार 18 मार्च को राजधानी रायपुर के विधानसभा परिसर में आत्मसमर्पित माओवादियों और राज्य नेतृत्व के बीच हुई यह मुलाकात केवल औपचारिक नहीं थी, बल्कि यह बदलाव, विश्वास और नए जीवन की दिशा में एक भावनात्मक संवाद का सशक्त उदाहरण बनकर सामने आई। मुख्यमंत्री विष्णु देव साय ने आत्मसमर्पित युवाओं से उनके पुराने जीवन और वर्तमान परिस्थितियों को लेकर विस्तार से चर्चा की। संवाद के दौरान माओवादियों ने खुलकर अपने अनुभव साझा किए। उन्होंने बताया कि पहले उनका जीवन जंगलों में भय, असुरक्षा और अनिश्चितता से भरा था, जहां हर दिन जीवन और मृत्यु के बीच संघर्ष जैसा होता था। लेकिन अब मुख्यधारा में लौटने के बाद उनके जीवन में पहली बार स्थिरता, सुरक्षा और सम्मान का अनुभव हुआ है। आत्मसमर्पित माओवादियों ने भावुक होकर बताया कि उन्होंने पहली बार होली जैसे त्योहार को अपने परिवार के साथ मनाया, जो उनके लिए एक अविस्मरणीय और सुखद अनुभव रहा। उन्होंने यह भी स्वीकार किया कि अब उन्हें वास्तविक विकास का अर्थ समझ में आ रहा है। उनके क्षेत्रों में सड़क, बिजली, पानी और अन्य बुनियादी सुविधाओं का तेजी से विस्तार हुआ है, जिससे जीवन काफी आसान और बेहतर हुआ है।

मुख्यमंत्री विष्णु देव साय और उप मुख्यमंत्री विजय शर्मा ने सभी आत्मसमर्पित माओवादियों का मुख्यधारा में स्वागत करते हुए इसे साहसिक और प्रेरणादायक कदम बताया। उन्होंने कहा कि यह केवल व्यक्तिगत बदलाव नहीं, बल्कि पूरे प्रदेश के उज्ज्वल भविष्य की दिशा में एक मजबूत संदेश है। संविधान में विश्वास जताकर इन युवाओं ने समाज के सामने एक सकारात्मक उदाहरण प्रस्तुत किया है। मुख्यमंत्री ने यह भी आश्वस्त किया कि राज्य सरकार पुनर्वास, रोजगार और सामाजिक पुनर्स्थापन के लिए पूरी प्रतिबद्धता के साथ कार्य कर रही है। उन्होंने कहा कि प्रदेश में नक्सलवाद अब अपने अंतिम चरण में है और केंद्र सरकार के नेतृत्व में नरेंद्र मोदी और अमित शाह के नक्सलवाद उन्मूलन के संकल्प को जल्द ही पूर्ण किया जाएगा।

नए जीवन की संभावनाओं को करीब से देखा

कलेक्टर निलेशकुमार महादेव क्षीरसागर और जिला पंचायत सीईओ हरेश मंडावी ने बताया कि 38 आत्मसमर्पित माओवादियों को तीन दिवसीय एक्सप्लोरर विजिट के तहत रायपुर के विभिन्न प्रमुख स्थलों का भ्रमण कराया गया। इस दौरान उन्होंने ट्राइबल म्यूजियम, रेलवे स्टेशन, पुरखौती मुक्तांगन, मंत्रालय महानदी भवन और विधानसभा भवन जैसे महत्वपूर्ण स्थानों को देखा और नए जीवन की संभावनाओं को करीब से समझा।

बरसों से काबिज जमीन पर अवैध कब्जा, कलेक्टर से की शिकायत

हरिभूमि न्यूज ⏭ सरोना

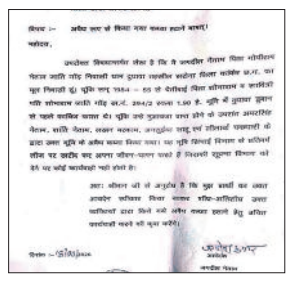

सरोना तहसील अंतर्गत ग्राम दुधावा से एक पुराना भूमि विवाद सामने आया है। गांव के निवासी जगदीश नेताम ने कलेक्टर को आवेदन देकर आरोप लगाया है कि उनके पूर्वजों के कब्जे वाली जमीन पर कुछ लोगों ने अवैध रूप से कब्जा कर लिया है। यह जमीन खसरा नंबर 394/2, रकबा 1.90 हेक्टेयर बताई जा रही है, जिस पर वर्षों से खेती की जाती रही थी।

आवेदन में बताया गया है कि वर्ष 1954-55 से चैतीबाई और सावित्री, जो गोड़ जाति से संबंधित थीं, इस जमीन पर काबिज थीं और खेती करती थीं। बाद में उन्हें मुआवजा मिलने के पश्चात जमीन की स्थिति में बदलाव आया। इसी दौरान आरोप है कि कुछ अन्य लोगों ने इस भूमि पर कब्जा कर लिया, जिससे मूल निवासियों का अधिकार प्रभावित हुआ। जगदीश नेताम ने अपने आवेदन में अमर सिंह नेताम, लखन मरकाम, अनसूईया साहू और लीलाबाई चक्रधारी पर अवैध कब्जा करने का आरोप लगाया है। उनका कहना है कि ये लोग वर्षों से इस भूमि का उपयोग कर रहे हैं, जबकि इसका अधिकार उनके परिवार को होना चाहिए था। पीड़ित ने यह भी बताया कि उक्त भूमि सिंचाई विभाग के अधीन है और संबंधित लोग हर वर्ष इसे लीज पर लेकर उपयोग करते हैं। उन्होंने विभाग को कई बार सूचना दी, लेकिन अब तक कोई ठोस कार्रवाई नहीं की गई। इससे प्रशासनिक उदासीनता पर भी सवाल खड़े हो रहे हैं। जगदीश नेताम ने कलेक्टर से निवेदन किया है कि उनके आवेदन को प्राथमिकता के आधार पर स्वीकार करते हुए जांच कराई जाए और अवैध कब्जा हटाने की कार्रवाई जल्द से जल्द की जाए। उन्होंने प्रशासन से न्याय की उम्मीद जताते हुए कहा है कि यदि समय रहते कार्रवाई नहीं हुई तो उनका परिवार पूरी तरह से अपने अधिकार से वंचित हो जाएगा।

व्यापारी संघ भवन के लिए भूमि की की मांग, अध्यक्ष को सौंपा ज्ञापन

हरिभूमि न्यूज ⏭ भानुप्रतापपुर।

नगर के व्यापारी संघ द्वारा अपने भवन निर्माण के लिए भूमि आवंटन की मांग को लेकर नगर पंचायत अध्यक्ष को ज्ञापन सौंपा गया। व्यापारी संघ के प्रतिनिधिमंडल ने अध्यक्ष निखिल सिंह राठौर से मुलाकात कर नगर में व्यापारी संपर्क भवन की आवश्यकता को विस्तार से रखा।

ज्ञापन में बताया गया कि व्यापारी संघ भानुप्रतापपुर वर्ष 1982 से पंजीकृत संस्था के रूप में कार्यरत है और वर्तमान में लगभग 500 से अधिक व्यापारी सदस्य इससे जुड़े हुए हैं। इसके बावजूद संघ के पास अब तक कोई स्थायी भवन या कार्यालय नहीं है, जिससे बैठकों एवं व्यापारिक गतिविधियों के संचालन में परेशानी होती है। व्यापारी संघ ने नगर पंचायत क्षेत्र में उपयुक्त स्थान पर भूमि आवंटित करने की मांग की, ताकि अपने संसाधनों से भवन निर्माण कर व्यापारियों को एक स्थायी सुविधा उपलब्ध कराई जा सके। व्यापारी संघ ने उम्मीद जताई कि नगर पंचायत द्वारा उनकी मांग पर सकारात्मक निर्णय लिया जाएगा, जिससे नगर के व्यापारियों को एक स्थायी मंच मिल सके ।

इस दौरान नगर पंचायत उपाध्यक्ष गजानंद दादसेना एवं समाजसेवी नरोत्तम चौहान एवं व्यापारी संघ अध्यक्ष राकेश रमानी, छत्तीसगढ़ चेंबर ऑफ कॉमर्स के उपाध्यक्ष प्रदीप जैन, अनंत गोपाल कोठारी, यश कथूरिया, गौरव नशीने,ललित गांधी, लक्ष्मण मखीजा, आनंद जैन एवं तिलोक चोपड़ा उपस्थित रहे।

हिंदू नववर्ष का सूर्य को अर्घ्य दीपदान के साथ स्वागत

हरिभूमि न्यूज ⏭ कांकेर

कला एवं साहित्य को समर्पित अखिल भारतीय संस्था संस्कार भारती जिला इकाई कांकेर के तत्वावधान में नव संवत्सर हिंदू नव वर्ष की शुभ बेला एवं चैत्र नवरात्रि की पावन अवसर पर समस्त दायित्ववान भगिनी एवं बंधुओं तथा नगर के प्रतिष्ठित समाजसेवी धर्मानुरागियों की पावन उपस्थिति में ऊपर नीचे रोड डढ़िया तालाब में उगते सूर्य को अर्घ्य देकर एवं दीपदान कर नव वर्ष की शुभकामनाओं के संग सकल चराचर के मंगल कामनाओं की मंगलाचरण संस्कार भारती के ध्येय गीत के साथ कार्यक्रम संपन्न हुआ।

वसुधैव कुटुंबकम की परिभाषा को चरितार्थ करते हुए एक दूसरे को तिलक लगा, शुभकामनाएं संदेश देते हुए संस्कार भारती परिवार के समस्त सदस्यों एवं नगर वासियों द्वारा प्रातः 6. बजे प्रभा की अरूणिम छटा से मन प्रफुल्लित एवं जीवन प्रज्वलित करने का सुसंकल्प, दीप प्रज्वलन, आरती तथा प्रसाद वितरण कर नववर्ष धूमधाम एवं उत्साहपूर्वक मनाया गया। उक्त कार्यक्रम में नगर पालिका अध्यक्ष अरुण कौशिक, महामंत्री अवधेश लारिया, कोषाध्यक्ष रामशरण जैन, कला धरोहर विभाग संयोजक शिवसिंह भदौरिया, उपाध्यक्ष रीना लारिया, प्रान्त मंत्री रिजेन्द्र गंजीर, सत्यनारायण शर्मा, अशोक राठी, वीरेन्द्र श्रीवास्तव, प्रधुम्न ठाकुर, आभा श्रीवास्तव, जितेंद्र धर शर्मा, निर्मल माहेश्वरी, शैलजा सिंह, बेला सिंह, डॉ. शशि चौहान, वैदेही शुक्ला, एश्वर्या शुक्ला व अन्य लोग उपस्थित रहें।

महार और महरा समाज की जिला स्तरीय बैठक 22 को, तैयारी को लेकर हुई चर्चा

हरिभूमि न्यूज ⏭ सरोना

कांकेर जिले के महार एवं महरा समाज की एक महत्वपूर्ण जिला स्तरीय बैठक आगामी 22 को तहसील भानुप्रतापपुर स्थित सामुदायिक भवन में आयोजित की जाएगी। यह बैठक तहसील कार्यालय के सामने स्थित सामुदायिक भवन में रखी गई है, जिसमें जिले भर के सभी क्षेत्रीय पदाधिकारियों और समाज के जिम्मेदार सदस्यों की उपस्थिति अनिवार्य रूप से सुनिश्चित करने का आव्हान किया गया है।

समाज के जिलाध्यक्ष एमआर शोरदे ने इस बैठक को लेकर सभी पदाधिकारियों से विशेष अपील की है कि वे समाज की एकता और अखंडता को मजबूत बनाने के उद्देश्य से समय निकालकर अपनी गरिमामय उपस्थिति दर्ज कराएं। उन्होंने कहा कि समाज के विकास, संगठन की मजबूती और सामूहिक निर्णय प्रक्रिया को प्रभावी बनाने के लिए इस प्रकार की बैठकों में सक्रिय सहभागिता अत्यंत आवश्यक है। बैठक के संबंध में मिली जानकारी के अनुसार, इसमें समाज के विभिन्न महत्वपूर्ण मुद्दों पर चर्चा की जाएगी। संगठन विस्तार, सामाजिक एकजुटता, युवाओं की भागीदारी, तथा समाज के हितों से जुड़े अन्य प्रमुख विषयों पर विचार-विमर्श और निर्णय लिए जाने की संभावना है। इसके अलावा आगामी कार्यक्रमों की रूपरेखा तैयार करने और समाज को नई दिशा देने के लिए भी इस बैठक को महत्वपूर्ण माना जा रहा है। जिला सचिव रोहित कुमार कोमलवार और जिलाध्यक्ष एमआर शोरदे ने संयुक्त जानकारी देते हुए बताया कि सभी पदाधिकारी समय रहते अपने निजी कार्यों को पूर्ण कर बैठक में शामिल हों, ताकि किसी भी प्रकार की असुविधा न हो और बैठक सफलतापूर्वक संपन्न हो सके। उन्होंने यह भी स्पष्ट किया कि बैठक में अनुपस्थित रहने वाले पदाधिकारियों के प्रति सख्ती बरती जाएगी। जो पदाधिकारी इस महत्वपूर्ण बैठक में उपस्थित नहीं होंगे, उन्हें बैठक के आयोजन में हुए खर्च की भरपाई करनी पड़ सकती है। इस संबंध में स्पष्ट निर्देश जारी किए गए हैं, जिससे सभी सदस्यों में जिम्मेदारी और अनुशासन बनाए रखा जा सके।

निर्माण कार्यों को समयसीमा और गुणवत्ता के साथ करें पूरा

कोण्डागांव। कलेक्टर श्रीमती नूपुर राशि पन्ना ने माकड़ी विकासखंड के विभिन्न निर्माण कार्यों का निरीक्षण कर एजेंसियों को समयसीमा में गुणवत्तापूर्ण कार्य पूर्ण करने के निर्देश दिए। ग्राम छिनारी में निर्माणाधीन हायर सेकेंडरी स्कूल भवन तथा ग्राम क्षमतापुर में गोदाम निर्माण कार्य का निरीक्षण किया। ग्राम बड़ेसोहंगा में शासकीय प्राथमिक शाला भवन का निरीक्षण करते हुए कलेक्टर ने छत की मरम्मत के लिए आवश्यक व्यवस्था करने कहा। ग्राम हिरलाभाट में जल जीवन मिशन के कार्यों का अवलोकन कर ग्रामीणों से संवाद किया गया।

तुरंत आराम के लिए
तुलसी आयुर्वेदिक चिकित्सालय
पता - तुलसी निवास, बस स्टैंड के पीछे, उपाध्याय नर्सिंग होम के सामने, धमतरी मो.नं. : 9993010732
लकवा रोग, वातरोग - सभी प्रकार के दर्द, गठियाबात, साइटिका, झुनझुनी वात, कमरदर्द, घुटना दर्द, अकड़न, नस रोग का इलाज
चर्मरोग - दाद, खुजली, बेमची, मुंह में छाला होना का इलाज
पेट रोग - कब्ज, गैस, भूख न लगना, खट्टी डकार आना का इलाज
बवासीर - मस्सा होना, खून निकलना, खुजली होना का इलाज
पुरूष रोग - धातुस्राव, शीघ्रपतन व कमजोरी का इलाज
स्त्री रोग - ल्यूकोरिया, सफेद पानी आना, मासिक रुकावट का इलाज
बुखार, खांसी, स्वांसरोग, मूत्ररोग, केशरोग, दांतरोग का इलाज

खेल मैदान विवाद पर अध्यक्ष का पलटवार विधायक सावित्री पर लगाए गंभीर आरोप

हरिभूमि न्यूज ⏭ भानुप्रतापपुर

सुभाषपारा खेल मैदान को लेकर जारी विवाद और विधानसभा में उठे ध्यानाकर्षण प्रस्ताव पर नगर पंचायत अध्यक्ष ने विधायक सावित्री मंडावी पर एक बार फिर तीखा हमला बोला है।

नगर पंचायत अध्यक्ष राठौर ने कहा कि मुख्यमंत्री विष्णु देव साय के नेतृत्व में छत्तीसगढ़ में सुशासन के तहत तेजी से विकास कार्य हो रहे हैं। इसी कड़ी में भानुप्रतापपुर में भी लगातार विकास कार्यों को स्वीकृति देकर उन्हें धरातल पर उतारा जा रहा है। सुभाषपारा खेल मैदान को लेकर विधानसभा में ध्यानाकर्षण लगाए जाने पर उन्होंने इसे विकास विरोधी मानसिकता का उदाहरण बताया। आरोप लगाया कि विधायक सावित्री मंडावी नगर के विकास कार्यों में लगातार बाधा डालने का प्रयास कर रही हैं, लेकिन नगर पंचायत जनता के विश्वास को कायम रखते हुए विकास कार्यों को रुकने नहीं देगी। हम भानुप्रतापपुर की जनता के भरोसे को टूटने नहीं देंगे। नगर के विकास कार्य निरंतर जारी रहेंगे, चाहे कितनी भी कोशिशें क्यों न की जाएं। सुभाषपारा मैदान के विकास की मांग वर्षों से नगरवासी और खेलप्रेमी करते आ रहे थे, उसी कार्य पर अब रोक लगाने का प्रयास जनभावनाओं का अपमान है। मैदान का उन्नयन और संरक्षण कार्य पूरी वैधानिक प्रक्रिया और पारदर्शिता के साथ किया जा रहा है, ताकि नागरिकों को बेहतर खेल सुविधाएं मिल सकें। आरोप लगाया कि विधायक इस कार्य का विरोध केवल इसलिए कर रही हैं, क्योंकि मैदान के पास सरस्वती शिशु मंदिर और आरएसएस का कार्यालय स्थित है। उन्होंने इसे दुर्भाग्यपूर्ण बताते हुए कहा कि विकास कार्यों को राजनीतिक दृष्टिकोण से नहीं देखना चाहिए। सुभाषपारा मैदान लंबे समय से उपेक्षित था और रख-रखाव के अभाव में क्षतिग्रस्त हो रहा था। अब नगर पंचायत इसे आधुनिक सुविधाओं से युक्त खेल परिसर के रूप में विकसित करने की दिशा में कार्य कर रही है। जनहित के कार्यों में राजनीति नहीं होनी चाहिए। यदि कोई विकास में बाधा बनेगा, तो उसका जवाब जनता के बीच दिया जाएगा।